

एक नाम करे हर काम

— शिष्य थॉमसन —

**“मयि यो विश्वसिति स मृत्वापि जीविष्यति”- यीशु
(जो मुझ पर विश्वास करता है, वह मर भी जाये तो भी जीयेगा)**

आप ने सुना होगा कि यीशु नाम की शक्ति से चमत्कार होते हैं। यीशु नाम से निवेदन और प्रार्थना करने से रोग दूर होते हैं। यीशु नाम से संकट मोचन होता है और सच्ची शांति प्राप्त होती है। लाखों लोगों को इसका अनुभव है। और यीशु नाम पर विश्वास रखने वाले आज संसार में आनंद और शांति का जीवन जी रहे हैं।

यीशु नाम का अर्थ

मनुष्यमात्र को मोक्षप्रदान करने के लिये सनातन परमेश्वर ने मार्ग दिखाया है। और वह यह कि सृष्टिकर्ता परमेश्वर ने अपने पुत्र को संसार में मानवदेह में भेजा। बाइबिल में लिखा कि ईश अवतार के जन्म के पूर्व ही परमेश्वर ने उसका नाम क्या होगा यह निश्चित किया था। और वह नाम था ‘यीशु’ जिसका अर्थ है ‘पाप से छुटकारा देने वाला’ या ‘मोक्षदाता’।

पाप की जड़

हर दुःख दर्द सामाजिक समस्याएं हिंसा, अपराध, अधर्म, अंधकार, और तंत्र-मंत्र की जड़ पाप है। पाप का अर्थ हमारी सोच समझ पर आधारित नहीं है। लेकिन परमेश्वर जिसे पाप की संज्ञा देते हैं, वही पाप है। पाप को पाप न समझना मनुष्य का सबसे बड़ा अधर्म है। उदाहरण के लिये एक मरीज डॉक्टर से अपनी बीमारी का बयान, मात्र सिर के दर्द के रूप में बताता है। पर डॉक्टर की नज़र में, बीमारी की छानबीन का प्रमाण उसे कैंसर कहता

है। इसी तरह परमेश्वर की नज़र में पाप गंभीर और खतरनाक है। भले ही मनुष्य उसके खतरे को न स्वीकारे पर इसका अंत आत्मिक मृत्यु और नरक की अग्निज्वाला है। मनुष्य ईश्वरीय नियमों को तोड़ता है। आत्मा का मोक्ष उसका लक्ष्य नहीं रहता है। मनुष्य को पाप की दलदल से मुक्ति दिलाने के लिये ‘ईश अवतार’ का नाम ‘यीशु’ रखा जाता है।

यीशु नाम का जप व्यर्थ है

यीशु के नाम से सहायता और चमत्कार प्राप्ति के लिये नाम का निरर्थक जप करने से कोई लाभ नहीं होता है। उदाहरण के लिये यदि अपने पिता से कुछ प्राप्त करने या उन्हें बुलाने के लिये आप-पिता-पिता का जप करें? बाइबिल में ईश्वर का नाम व्यर्थ दोहराने की सख्त मनाही है।

यीशु नाम की ईश्वरीय महिमा

यीशु नाम लेने का अर्थ है, यीशु को पुकारना, और जब हम किसी को पुकारते हैं, तो इस आशा से पुकारते हैं कि वह हमारी फरियाद सुने, हमारे पास आये, और सहायता करे। इसी तरह ‘यीशु’ नाम लेने का अर्थ- ईश्वरीय सामर्थ, सनातक जीवन, सत्यज्ञान और अंधकार में मार्गदर्शन और ज्योति प्राप्ति के लिये ईश्वर से निवेदन करना है।

और यीशु इस प्रार्थना के उत्तर में निश्चित आकर सहायता करते हैं, उन पर भरोसा किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने स्वयं दावा किया और कहा “मार्ग सत्य और जीवन मैं ही हूँ” (यूहन्ना 14:6)।

यदि हम शारीरिक जीवन की उलझन में फँसे हैं, बीमारी से ग्रस्त हैं, भयानक स्वप्न या भूतप्रेत हमें सता रहे हैं, या हमारे परिवार को सता रहे हैं, हमारा शरीर कमजोर हो रहा है, और दवा काम नहीं कर रही है, तो ‘यीशु’ नाम लेकर उससे प्रार्थना करें। प्रभु यीशु आपको अवश्य स्वस्थ करेंगे। मरणासन्न अवस्था में भी सामर्थ मिलेगी। यीशु ने कहा है, ‘मैं तुम्हें भरपूर जीवन देने आया हूँ।’ (यूह. 10:10)

यदि अशांति है, घर में झगड़ा और कलह है, प्रेम नहीं है। विरोध और क्रोध का माहौल है। तो यीशु नाम लेकर प्रार्थना करिये। प्रभु यीशु ने कहा

है “मैं अपनी शांति तुम्हें देता हूँ” (यू. 14:27) वो आपके व्यक्तिगत जीवन और परिवार में शांति और आनंद वापस लाएंगे।

प्रभु यीशु ने कहा है, ‘द्वार मैं हूँ’ (यू. 10:9)। जब सारे रास्ते हमारे सामने बंद नज़र आते हैं। निराशा ही निराशा है, तो यीशु नाम से प्रार्थना करें, वह आपके सामने नया द्वार खोलेंगे।

यदि घटी-कमी का अनुभव है। भोजन, वस्त्र, मकान और प्रतिदिन की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होती है, तो यीशु नाम से प्रार्थना करें, यीशु ने कहा है, ‘जीवन की रोटी मैं हूँ’ (यू. 6:35)। आपके जीवन में ईश्वर चमत्कार करेंगे।

अपने आप को उन्होंने एक अच्छे चरवाहे की संज्ञा दी है जो भेड़ का अच्छा पालन पोषण करता है। प्रभु यीशु ने कहा चिड़ियों को देखो, वे न बोते हैं, पर परमेश्वर उन्हें खिलाता है। फूलों को देखा वे बुनते नहीं, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें सुंदर बनाया है। मनुष्य से परमेश्वर पिता प्रेम करते हैं। जीवन की रोटी बनकर यीशु नाम से हमारी संसारिक भूख प्यास और घटी कमी दूर होगी। और साथ ही आत्मा को मोक्ष प्राप्ति होगी।

यीशु नाम से मोक्ष

क्रूस पर मनुष्य के पापों की कीमत स्वयं बलिदान द्वारा देने के द्वारा यीशु ने हमें हमारे पापों से छुटकारा दिलाया है। फिर तीसरे दिन जीवित होने के द्वारा उन्होंने मृत्यु पर विजय की घोषणा की है ताकि अब मनुष्य मृत्यु से भी न डरे। मृत्यु के परे स्वर्गराज्य की कुंजी भी यीशु के पास है। यीशु नाम से प्रार्थना करने से हमारी आत्मा को अनंत जीवन प्राप्त होता है। यीशु ने कहा है, ‘पुनरुत्थान और जीवन मैं हूँ’ (यू. 11:25)।

स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल पर अधिकार

ईश वचन में लिखा है ‘यीशु’ ने परमेश्वर स्वरूप होकर भी अपने आपको शून्य समान छोटा बनाया, और मनुष्य देह धारण कर वे संसार में आये। उन्होंने एक नौकर का स्वभाव रखा, मनुष्य की निःस्वार्थ सेवा की, और स्वर्गीय पिता परमेश्वर की आज्ञा संसार में रहकर पूर्ण की और स्वेच्छा से क्रूस पर बलिदान दिया। और इस कारण परमेश्वर ने यीशु नाम को स्वर्ग

पृथ्वी और पाताल में सबसे ऊँचा नाम दिया है, ताकि हर एक यीशु को साष्टांग प्रणाम करे और उसे गुरु, प्रभु और मोक्षदाता स्वीकार करे।

यीशु के चमत्कार

आज से 2000 वर्ष पूर्व जब प्रभु यीशु इस संसार में आये तब उन्होंने अद्भुत चमत्कार किये, उन्होंने बहुत से भूतग्रस्तों को छुटकारा दिया, लकवे के मारों को सही किया। मरे हुआं को भी जीवित किया। एक बार जब यीशु नाव में थे तो बड़ी आँधी और तूफान आया, नाव डूबने लगी तब उन्होंने आँधी को डाँटा और लहरें थमी और तूफान शांत हुआ। एक बार प्रभु यीशु ने पाँच रोटी से पाँच हजार से अधिक भूखों को भोजन कराया, और लोगों के देखते प्रभु यीशु पानी पर चले। कई अंधों को उन्होंने दृष्टिदान दिया। एक बार दस कोढ़ी प्रभु यीशु से मिले और कोढ़ मुक्ति की प्रार्थना करी, तब उन सबको चमत्कार द्वारा संपूर्ण रोग निवारण मिला। इस तरह से बहुत से चमत्कार यीशु ने किये जो बाइबिल में लिखे हैं। मृत्यु के तीसरे दिन प्रभु यीशु जीवित हो जाते हैं। और लोगों की नज़र में चालीस दिन और इस संसार में रहते हैं। इसके पश्चात् एक झुण्ड के मध्य से उनका स्वर्गारोहण होता है। प्रभु यीशु आज जीवित हैं। और स्वर्ग में विराजमान हैं।

यीशु नाम आपका है

प्रभु यीशु ने कहा “यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरे वचन तुम में बने रहें तो जो चाहो माँगो, और वह तुम्हारे लिये हो जायेगा।” (यू. 15:7)

क्या आप यीशु नाम लेकर प्रार्थना करेंगे, इसके पहले कि आप ये प्रार्थना करें, आप प्रभु यीशु से संबंध जोड़ें। प्रार्थना इस तरह हो- ‘हे यीशु मैं पापी मनुष्य आप के पास आता हूँ और विश्वास करता हूँ कि आपका पवित्र खून मेरे पापों के लिय बहाया गया। मेरे अंदर से पाप का बीज निकालिये, पापों को क्षमा करिये, पवित्र आत्मा का दान दीजिये। नया जीवन दीजिये।’ अब अपने चमत्कार को प्रभु यीशु से माँगिये। प्रार्थना करें, ‘हे प्रभु यीशु, आप मेरी इस आवश्यकता को अपने यीशु नाम से पूरा करें।’

आमीन!

SHISHYASHRAM

305 D/A Sheeshmahal, Shalimar Bagh, New Delhi-110 088
e-mail:jawabjawab@yahoo.com